और बंगलादेश के बीच मैत्री, सहयोग और शांति की संधि 25 वर्ष अर्थात् 1997 तक वैध है।

(ख) और (ग) उक्त संधि को नवीकृत किए जाने के प्रश्न पर सरकार द्वारा उचित समय पर विचार किया जा सकता है।

(घ) और (ङ) बंगलादेश सरकार ने संधि के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कोई सरकारी सूचना नहीं भेजी है। भारत और बंगला देश के बीच अनेक क्षेत्रों में घनिष्ठ संबंध है दोनों देशों का आपस में द्विपक्षीय सहयोग और दक्षेस संरचना के अंतर्गत सहयोग जारी है। विगत कुछ वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है। बंगलादेश में नई सरकार के कार्यभार संभालने के तुरन्त पश्चात् प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में विदेश सचिव 5–7 जुलाई 1996 को ढाका गए जिस दौरान उन्होंने नई सरकार के साथ सहयोग की हमारी इच्छा और बंगलादेश के साथ सभी द्विपक्षीय मुद्दों को सहयोग और पारस्परिक लाभ की भावना से निपटाने की इच्छा पर जोर दिया।

High Cost of Visa

1160. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the high cost of visas being charged by foreign embassies in India;

(b) if so, the relationship between their high charges and the visa charges levied by Indian Embassies in foreign countries; and

(c) if so, details of such reciprocal agreements between India and other countries?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I.K. GUJRAL): (a) Yes, sir.

(b) and (c) While revising the visa fee schedule, reciprocity is one of factors taken into account. As such there is only an informal linkage and not formal agreements to cover charging of visa fee by foreign embassies and visa fee charged by Government of India.

दिल्ली परिवहन निगम का घाटा

1161. **श्री राम जेठमलानी:** क्या जल–भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली परिवहन निगम को वर्ष 1995–96 के दौरान कुल कितना घाटा हुआ;

(ख) क्या यह भी सच है कि वर्ष 1993–94, 1994–95 और 1995–96 के दौरान निगम के व्यय में अत्यधिक वृद्धि हुई है;

(ग) यदि हां, तो निगम को उक्त वर्षों के दौरान अनुमानत: कितनी वार्षिक आय हुई और इस अवधि के दौरान उसके द्वारा कुल कितना वार्षिक व्यय किया गया;और

(घ) उक्त अवधि के दौरान प्रतिवर्ष इस व्यय में से कितनी–कितनी राशि बसों के रख–रखाव, प्रशासनिक खर्चों और अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों पर व्यय की गई और इस अवधि के दौरान प्रति वर्ष कार्यरत कर्मचारियों की, अधिकारियों सहित कुल औसत संख्या कितनी थी?

जल–भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी.जी. वेंकटरामन): (क) वर्ष 1995–96 के दौरान दि.प.नि. को कुल 392.29 करोड़ रु. का घाटा हुआ।

(ख) जी हां।

(ग) ब्यौरे निम्नलिखित हैं:–

(करोड़ रु.)

वर्ष	कुल वार्षिक व्यय	कुल वार्षिक आय
1993–94	438.71	156.87
1994–95	472.93	165.89
1995–96	532.96	140.67

(घ) ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:–

(करोड़ रु.)

वर्ष	रख–रखाव लागत	प्रशासनिक खर्च		वेतन और भत्ते		अधिकारियों सहित कर्मचारियों की औसत संख्या
		ब्याज और मूल्यह्रास	अन्य	अधिकारी	कर्मचारी	
1993–94	72.59	210.36	28.39	1.68	125.67	35805
1994–95	68.05	241.05	25.78	1.83	136.22	33517
1995–96	58.13	294.75	48.32	1.75	130.01	31502